GENERAL K. S. THIMAYYA

General Kodandera Subbayya Thimayya, Padma Bhushan, DSO was the sixth Chief of the Army Staff of the Indian Army from 1957 to 1961. He had an impeccable combat record and is considered one of the most distinguished soldiers of the Indian Army. He was born in Madikeri, Coorg in Karnataka on 31 March 1906.

General Thimayya was commissioned into the Indian Army on 04 February 1926, and posted to the 4th Battalion of the 19th Hyderabad Regiment (later 4 KUMAON). He commanded the 8th Battalion of the 19th Hyderabad Regiment during the Second World War in Burma. Under his outstanding leadership, the Battalion achieved notable success in Battle of KANGAW. He was awarded the coveted Distinguished Service Order (DSO) and a Mention-in-Dispatches. He represented the country during surrender of the Japanese in Singapore and Philippines.

He took over the command of 19 Infantry Division in Jammu & Kashmir where he played a pivotal role in driving the raiders and the Pakistan Army out of the Kashmir Valley. Personally leading the surprise attack on Zoji La on 1 November 1948 by a Brigade with Stuart Light Tanks of the 7th Light Cavalry, he succeeded in driving out the entrenched raiders and Pakistan Army regulars, resulting in the eventual capture of Dras, Kargil and Leh.

Subsequently, General Thimayya served as the Commandant of the prestigious Indian Military Academy, Dehradun and on 1 October 1951, was appointed the Quartermaster General. He was specially selected by the United Nations to head the Neutral Nations Repatriation Commission in Korea, where his role was widely acknowledged by the international community. In 1954, he was awarded the Padma Bhushan for his distinguished services. General K. S. Thimayya, DSO assumed charge of the Indian Army, as the sixth Chief of the Army Staff, on 07 May 1957, and retired on 07 May 1961.

After retirement, based on his stellar and notable performance in Korea, he was appointed as the Commander of UN Forces in Cyprus (UNFICYP) in July 1964. He died during his tenure at UNFICYP on 07 December 1965.

General Thimayya's accomplishments in all domains, be it military career, diplomatic assignment, international co-operation or civil administration, make him one of the most distinguished personalities of India. General K. S. Thimayya, DSO was and remains as the source of inspiration to generations of Indians.

Department of Posts is pleased to issue Commemorative Postage Stamp on General K. S. Thimayya, DSO and salutes his immense contribution to the country and to the pride of every Indian.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet : Mrs Nenu Gupta

Text : Referenced from the contents provided by the proponent.

भारतीय डाक
डाक विभाग
India Post
Department of Posts

विवरणिका BROCHURE

जनरल के. एस. थिमैया
General K. S. Thimayya

जनरल के. एस. थिमैया

पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित, जनरल कोडन्डेरा सुबैया थिमैया, डीएसओ 1957 से 1961 तक भारतीय सेना के छठे सेनाध्यक्ष रहे। युद्ध के मैदान में उनका रिकार्ड बेहतरीन था। उनका नाम भारतीय सेना के विशिष्ट सैनिकों में गिना जाता है। जनरल थिमैया का जन्म 31 मार्च, 1906 को कर्नाटक के मदिकेरी, कूर्ग में हुआ।

जनरल थिमैया 04 फरवरी, 1926 को भारतीय सेना में कमीशन हुए और उन्हें 19वीं हैदराबाद रेजिमेंट (बाद में 4 कुमांऊ) की चौथी बटालियन में तैनात किया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जनरल थिमैया ने बर्मा में 19वीं हैदराबाद रेजीमेंट की 8वीं बटालियन की कमान संभाली। उनके उत्कृष्ट नेतृत्व में बटालियन को कांगॉ के युद्ध में महत्वपूर्ण विजय हासिल हुई। उन्हें विशिष्ट सेवा आर्डर (डीएसओ) और मेंशन–इन–डिस्पैचेज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जनरल थिमैया ने सिंगापुर और फिलीपींस में जापानी फौजों के आत्मसमर्पण के दौरान, भारत का प्रतिनिधित्व भी किया।

जनरल थिमैया ने जम्मू एवं कश्मीर में 19 इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली, जहां उन्होंने कबाइलियों और पाकिस्तानी सेना को कश्मीर घाटी से खदेड़ भगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनरल थिमैया ने 1 नवंबर, 1948 को 7वीं लाइट कैवलरी के स्टुअर्ट लाइट टैंक के साथ ब्रिगेड का स्वयं नेतृत्व करते हुए 'जोजी ला' पर औचक हमला किया और वहां छुपे कबाइलियों और पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ भगाने में सफलता हासिल की, जिसके फलस्वरूप, द्रास, कारगिल और लेह पर नियंत्रण जमा पाना संभव हो पाया।

तत्पश्चात्, जनरल थिमैया ने प्रतिष्ठित 'इंडियन मिलिट्री अकादमी, देहरादून' के कमांडेंट के रूप में कार्यभार संभाला। 1 अक्तूबर, 1951 को उन्हें क्वार्टरमास्टर जनरल नियुक्त किया गया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा उन्हें विशेष रूप से कोरिया में न्यूट्रल नेशन्स रिपेट्रिएशन कमीशन का नेतृत्व करने हेतु चुना गया। उनके द्वारा वहां किए गए कार्य की अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा व्यापक रूप से सराहना की गई। 1954 में जनरल थिमैया को विशिष्ट सेवा प्रदान करने हेतु पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। 07 मई, 1957 को जनरल के. एस. थिमैया, डीएसओ ने भारतीय सेना के छठे थल सेनाध्यक्ष के रूप में कमान संभाली। वे 07 मई, 1961 को सेवानिवृत्त हुए।

जनरल थिमैया के कोरिया में शानदार और उल्लेखनीय प्रदर्शन को देखते हुए, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद जुलाई, 1964 में 'यूएनएफआईसीवाईपी' के कमांडर के रूप में नियुक्त किया गया। यूएनएफआईसीवाईपी में अपने कार्यकाल के दौरान, 07 दिसंबर, 1965 को जनरल थिमैया का निधन हो गया।

विभिन्न क्षेत्रों जैसे सेना, राजनयिक कार्य, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा सिविल प्रशासन में जनरल थिमैया की उत्कृष्ट उपलब्धियों के परिणामस्वरूप, उन्हें भारत के विशिष्ट व्यक्तित्वों की श्रेणी में गिना जाता है। जनरल के. एस. थिमैया, भारत की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत थे और रहेंगे।

डाक विभाग, जनरल के. एस. थिमैया, डीएसओ पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है और प्रत्येक भारतीय का मस्तक गर्व से ऊंचा करने तथा देश के प्रति उनके अपार योगदान को सलाम करता है।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे पाठ : श्रीमती नीनू गुप्ता

: प्रस्तावक से प्राप्त सामग्री के आधार पर

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक टिकटें	: 302005
Stamps Printed	: 302005
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00